दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, शुक्रवार 04 नवंबर 2022 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-05, अंक- 37

महत्वपूर्ण एवं खास

मुंबई हवाईअड्डे पर तीन यात्रियों से 4,97,000 डॉलर जब्त

मुंबई (आरएनएस)। मुंबई हवाई अड्डा सीमा शुल्क विभाग ने दुबई से यहां पहुंचे एक परिवार की साड़ी, जूते और सूटकेस में छिपाकर रखे गए 4,97,000 अमेरिकी डॉलर जब्त किए। अधिकारियों ने गुरुवार को यहां यह जानकारी दी। 2 नवंबर की देर रात तीन सदस्यीय परिवार फ्लाई दुबई की उड़ान से छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे पर उतरा था। खुफिया सूत्रों से मिली जानकारी के आधार पर एयर इंटेलिजेंस यूनिट ने आरोपियों को पकड़ा। तीनों को मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया गया। वहां से उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

पुंछ में घुसपैठ की कोशिश नाकाम, आतंकी ढेर

जम्मू (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर सेना द्वारा घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया और एक आतंकवादी को ढेर कर दिया। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। सेना ने कहा- 3 नवंबर 2022 को, सुबह लगभग 10 बजे, भारतीय सेना के सतर्क सैनिकों ने पुंछ सेक्टर में नियंत्रण रेखा के पास कुछ व्यक्तियों की संदिग्ध हरकत देखी, जिसमें वह नियंत्रण रेखा के पार, भारतीय सीमा में घुसपैठ करने की कोशिश कर रहे थे। संदिग्ध गतिविधि पर ध्यान दिए जाने के बाद, सतर्क सैनिकों ने घुसपैठियों को चुनौती दी, आतंकवादियों ने फायरिंग कर दी, सेना के जवानों ने जवाबी फायरिंग में एक आतंकवादी को ढेर कर दिया। सेना ने कहा कि, दो एके-47 राइफल, एक पिस्तौल और अन्य युद्ध जैसे सामानों के साथ एक आतंकवादी का शव बरामद किया गया। ऑपरेशन जारी है और इलाके में तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

शादी करने के बाद गोवा पहुंचे कपल ने खाया जहर

पणजी (आरएनएस)। गोवा में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां, पिकनिक मनाने गए नवविवाहित जोड़े ने पारिवारिक विवाद के बाद जहर खा लिया। जिसमें पति की मौत हो गई है जबकि उसकी पत्नी बच गई है। पत्नी को इलाज के लिए वहीं के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है जो कि धीरे-धीरे ठीक हो रही है। दोनों महाराष्ट्र के नासिक के रहने वाले है। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने दोनों के परिवार वालों को सूचना दे दी है। कोलवा पुलिस इंस्पेक्टर फिलोमेनो कोस्टा ने बताया कि 21 साल की अहेर ने बुधवार को दम तोड़ दिया, जबकि उसकी 22 साल की पत्नी दक्षिण गोवा के होस्पिसियो अस्पताल में भर्ती है और वो अब रिकवर कर रही है। कोस्टा ने कहा कि महिला ने पुलिस को दिए अपने बयान में कहा है कि उनकी शादी का माता-पिता विरोध कर रहे थे, इसलिए उन्होंने यह कदम उठाने का फैसला किया। परिवार वालों से संपर्क कर उन्हें घटना के बाद में जानकारी दे दी गई है। नवविवाहित जोड़े इस हफ्ते की शुरुआत में नासिक से ट्रेन के जरिए गोवा पहुंचे थे। वहां, दक्षिण गोवा के कोलवा में एक गेस्ट हाउस में ठहरे हुए थे। पुलिस ने कहा कि उन्हें अभी तक इस बात का पता नहीं चल पाया है जोड़े को किस तरह के विरोध का सामना करना पड़ा है।

रंग लाया 40 वर्षों का संघर्ष, जम्मू-कश्मीर में पहाड़ी समुदाय को मिला एसटी का दर्जा

श्रीनगर (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले, केंद्र की भाजपा सरकार ने जम्मू-कश्मीर में लगभग 12 लाख पहाड़ी समुदाय को एसटी का दर्जा दे दिया है। यह कदम केंद्र शासित प्रदेश में भाजपा की चुनावी संभावनाओं को बढ़ावा देगा। भाजपा ने जम्मू-कश्मीर में अगले विधानसभा चुनावों में 50 प्लस मिशन का लक्ष्य रखा है। केंद्रीय मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह ने पहाड़ी समुदाय को एसटी का दर्जा देने के लिए गृह मंत्री अमित शाह को धन्यवाद दिया।

उन्होंने अपने ट्विटर पर लिखा, पहाड़ी समुदाय को एसटी का दर्जा देने की लंबे समय से लंबित मांग को स्वीकार करने के लिए गृह मंत्री अमित शाह जी को धन्यवाद। यह केवल पीएम श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व वाली सरकार में ही संभव हो सकता था, जिसमें जम्मू-कश्मीर को बदलने का साहस और दृढ़ विश्वास है।

पहाड़ी समुदाय के प्रमुख नेता, पूर्व मंत्री और कभी फारूक अब्दुल्ला के करीबी रहे सैयद मुश्ताक बुखारी ने कहा, 40 साल का संघर्ष आखिरकार रंग लाया है। हम भाजपा सरकार के शुक्रगुजार हैं। सैयद मुश्ताक बुखारी ने इस साल फरवरी में नेशनल कॉन्फ्रेंस छोड़ दी थी। बुखारी ने कहा, श्रेय भाजपा को जाता है। कांग्रेस ने हमेशा हमारे मुद्दे के साथ खिलवाड़ की। हम गृह मंत्री और प्रधानमंत्री के

बहुत आभारी हैं क्योंकि आखिरकार हमें न्याय मिला है।

उन्होंने कहा, यही कारण था कि मैंने नेशनल कांफ्रेंस छोड़ दी। अगर फारूक अब्दुल्ला कश्मीरियों के बारे में बात करते हैं, पंडित प्रेम नाथ डोगरा डोगरा समुदाय के बारे में बात करते हैं और मियां अल्ताफ गुर्जरों के बारे में बात करते हैं और वो सब कुछ सही है तो मुश्ताक बुखारी कैसे गलत हो गया। मैंने तो पहाड़ी लोगों के लिए न्याय की मांग की।

बुखारी ने आगे कहा, मेरा संघर्ष सफल हुआ है। अगर मैं बीजेपी में शामिल नहीं होता हूं तो भी मैं उनका पूरा समर्थन करूंगा। बुखारी ने कहा कि भाजपा की ओर से अभी तक उनके पास भगवा पार्टी में शामिल होने का कोई प्रस्ताव नहीं आया है।

हालांकि, उन्होंने स्पष्ट रूप से स्वीकार किया कि एसटी का दर्जा विधानसभा चुनाव से पहले 12 लाख से अधिक पहाड़ी समुदाय का विश्वास जीतने के लिए भाजपा की चुनाव पूर्व रणनीति का हिस्सा है। उन्होंने कहा, यह मेरे समुदाय के लिए अब तक का सबसे बड़ा उपहार है और हम भाजपा के लिए बहुत आभारी हैं और हमसे जो कुछ भी आवश्यक होगा वह करेंगे।

गृह मंत्री अमित शाह ने 4 अक्टूबर को अपनी राजौरी रैली में पहाड़ी समुदाय को एसटी का दर्जा देने का वादा किया था और यह भी आश्वासन दिया था कि गुर्जरों और बकरवालों का एक प्रतिशत हिस्सा भी पहाड़ी लोगों के पास नहीं जाएगा। अपने भाषण में शाह ने 1947 से गुर्जरों, बकरवालों और पहाड़ी लोगों को उनके अधिकारों से वंचित करने के लिए कांग्रेस, नेकां और पीडीपी पर कटाक्ष किया था।

यह कहा जा सकता है कि जम्मू कश्मीर का पहाड़ी समुदाय राजौरी, पुंछ, बारामूला, अनंतनाग और कुपवाड़ा जिलों में बड़े पैमाने पर निवास करता है। जहां 2011 की जनगणना में गुर्जर-बकरवाल की आबादी 1.25 मिलियन थी, वहीं पहाड़ी लोगों ने दावा किया कि उनकी आबादी जम्मू और कश्मीर में दो मिलियन से अधिक थी। पहाड़ी समुदाय में हिंदू, मुस्लिम शामिल हैं और यह काफी हद तक उनके द्वारा पहाड़ियों में बोली जाने वाली भाषा से भी पहचाने जाते हैं। हालांकि, एक मोटे अनुमान के मुताबिक उनकी आबादी दस लाख है। वे मुख्य रूप से जम्मू के पुंछ और राजौरी जिलों और बारामूला जिले के उरी और कुपवाड़ा जिले के करनाह और तंगदार जिलों में झेलम और चिनाब नदियों के बीच के क्षेत्र में पाए जाते हैं।

सीएम योगी ने श्रीराम चरण पादुका की पूजा कर रथ को किया रवाना

लखनऊ (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को श्रीराम चरण पादुका की विधि विधान से की पूजा अर्चना कर श्री राम कर्मभूमि रथ यात्रा को रवाना किया। मुख्यमंत्री आवास में आयोजित इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे और परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह एवं साधु संत मौजूद रहे। मुख्यमंत्री योगी ने साधु संतों की उपस्थिति में मंत्रोच्चारण के साथ विधि-विधान से श्रीराम चरण पादुका की पूजा अर्चना की। उन्होंने गंगा जल से आचमन कर श्रीराम चरण पादुका पर पुष्प अर्पित कर भगवान श्रीराम से लोक कल्याण की मंगलकामना की। उन्होंने श्रीराम चरण पादुका की पूजा अर्चना कर श्री राम कर्मभूमि यात्रा का शुभारंभ किया। श्री

राम कर्मभूमि यात्रा अयोध्या से बक्सर होते हुए जनकपुर तक जाएगी। उनके साथ केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे ने भी विधि विधान से श्रीराम चरण पादुका की पूजा अर्चना की। पूजा अर्चना के बाद उन्होंने नारियल फोडक़र श्रीराम चरण पादुक रथ को रवाना किया। इससे पहले साधु संतों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भगवान श्रीराम पर आधारित पुस्तक और गंगा जल भेंट किया।

राजनाथ सिंह की रैली में लोग मांगने लगे पीओके, हंसकर बोले रक्षा मंत्री- धैर्य रखें

शिमला (आरएनएस)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कई बार पीओके को लेकर पाकिस्तान को चेताया है। शौर्य दिवस के मौके पर उन्होंने कहा था कि जब तक गिलगित-बाल्टिस्तान तक विकास नहीं पहुंचता कश्मीर का विकास अधूरा रहेगा। उन्होंने यह भी कहा था कि पाकिस्तान पीओके के लोगों पर अत्याचार कर रहा है। अब कि जब हिमाचल प्रदेश में राजनाथ सिंह रैली करने पहुंचे तो जनसभा में पहुंचे लोग ही पीओके मांगने लग गए। इसपर हंसते हुए रक्षा मंत्री ने कहा, धैर्य रखिए।

राजनाथ सिंह की रैली में लोग भारत माता की जय के नारे लगा रहे थे। उन्होंने कहा, हमने ऐसे ऐसे वीर सैनिकों को देखा है जो कि जरूरत पडऩे पर अब भी सीमा पर जाने के लिए तैयार रहते हैं। इतने में भीड़ में से आवाज आई, पीओके चाहिए पीओके। इस पर राजनाथ सिंह भी अपनी हंसी रोक नहीं पाए। उन्होंने धैर्य रखने की अपील की। बता दें कि पीओके को लेकर राजनाथ सिंह के बयान के बाद सेना की भी प्रतिक्रिया आ चुकी है। चिनार कॉर्प्स कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल एडीएस औजला ने कहा था, भारतीय सेनाएं हमेशा तैयार हैं और अगर हमें पीओके हासिल करने का आदेश मिला तो हम पीछे नहीं हटेंगे।

बता दें कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में भी पाकिस्तानी सरकार और सेना के खिलाफ आवाज उठती रहती है। वहीं चीन जिस सीपीईसी प्रोजेक्ट को लेकर इतना उतावला दिखता है, उसका भी विरोध पीओके में होता है। भारत भी इस प्रोजेक्ट का विरोध करता है। विदेश मंत्री एस जयशंकर तो इस बीआरआई प्रोजेक्ट को लेकर एससीओ बैठक में चीन और पाकिस्तान को लताड़ लगा चुके हैं। उन्होंने कहा कि चीन के कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट को किसी की संप्रभुता और अखंडता का नुकसान नहीं करना चाहिए।

बता दें कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर, हमारे देश का ही हिस्सा है जो कि जम्मू-कश्मीर से लगता है और इस समय पाकिस्तान के कब्जे में है। बंटवारे के बाद पाकिस्तान ने गलत तरीके से यहां कब्जा कर लिया था। कबीलाई विद्रोहियों को मोहरा बनाकर पाकिस्तान ने यह साजिश की थी। यह दो भागों में बंटा हुआ है जिसे गिलगित और बाल्टिस्तान के नाम से जाना जाता है।

लाल किला अटैक के दोषी की फांसी की सजा बरकरार, सुप्रीम कोर्ट ने ठुकराई आतंकी की याचिका

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने साल 2000 में हुए लाल किले पर हमले के दोषी मोहम्मद आरिफ उर्फ अशफाक की फांसी की सजा को बरकरार रखा है। कोर्ट ने मोहम्मद आरिफ की पुनर्विचार याचिका को खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने लंबी सुनवाई के बाद 10 अगस्त 2011 को आतंकी अशफाक को फांसी की सजा सुनाई थी।

सुप्रीम कोर्ट में 5 जजों की संवैधानिक पीठ ने जुलाई 2019 को पाकिस्तानी नागरिक आरिफ उर्फ अशफाक की उस याचिका को मंजूर कर लिया था, जिसमें ओपन कोर्ट में दोबारा पुनर्विचार याचिका पर सुनवाई की मांग की गई, जिस पर अदालत ने इसकी अनुमति दे दी थी। हालांकि आज कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया।

बता दें कि आतंकी हमले का मास्टरमाइंड लश्कर-ए-तैयबा का आतंकवादी आरिफ को मौत की सजा सुनाई जा चुकी है। 22 दिसंबर 2000 को हुए इस आतंकी हमले

में तीन जवानों के साथ कई आतंकी भी मारे गए थे। सुप्रीम कोर्ट ने लंबी सुनवाई के बाद 10 अगस्त 2011 को आतंकी आरिफ को फांसी की सजा सुनाई थी, लेकिन अब तक उसे फंदे पर लटकाया नहीं गया है। मामले की जांच की जिम्मेदारी दिल्ली पुलिस के इंस्पेक्टर सुरेंद्र संड के पास थी और कश्मीर लेकर दिल्ली आए थे।

सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की गई याचिका में आतंकी आरिफ ने कहा था कि उसकी पुनर्विचार याचिका ओपन कोर्ट में नहीं सुनी गई थी। इसलिए यह न्याय हित में होगा अगर उसकी पुनर्विचार याचिका ओपन कोर्ट में दोबारा सुन ली जाए।

सुप्रीम कोर्ट पहले ही अशफाक की फांसी की सजा पर मुहर लगा चुका है। देश की सबसे बड़ी अदालत आज दोबारा से दायर की गई पुनर्विचार याचिका पर फैसला सुनाया जाएगा।

यह फैसला इसलिए अहम माना जा रहा है, क्योंकि दोषी की ओर से इस मामले में दोबारा पुनर्विचार याचिका तब दाखिल की गई जबकि सुप्रीम कोर्ट की ओर से एक फैसले में यह कहा गया कि हरेक पुनर्विचार याचिका की सुनवाई ओपन कोर्ट में होनी चाहिए।

वृन्दावन के एक होटल में आग से दो कर्मचारियों की मौत, एक घायल

मथुरा (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश में मथुरा जिले के वृन्दावन कस्बे में गुरुवार को एक होटल में आग लगने से दो कर्मचारियों की मौत हो गई जब कि एक अन्य घायल हो गया।

पुलिस के अनुसार घायल कर्मचारी बिजेन्दर (50 साल) को गंभीर अवस्था में आगरा मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया है। डाक्टरों ने उसकी स्थिति स्थिर बताई जा है। वह आग बुझाने के चक्कर में गंभीर रूप से घायल हो गया।

सीओ सदर प्रवीण मलिक ने बताया कि मृत कर्मचारियों की पहचान 27 वर्षीय उमेश एवं 45 वर्षीय बीरी के रूप में की गई है। उन्होंने बताया कि बसेरा ग्रुप के वृन्दावन गार्डेन होटल में आज सुबह लगभग 05 बजे आग लग गयी। यह होटल मथुरा वृन्दावन मार्ग पर रामकृष्ण मिशन अस्पताल के पास

स्थित है। फायर ब्रिगेड के अनुसार आग को आधा घंटे से कम समय में ही बुझा लिया गया था। जिस समय आग लगी उस समय दोनों मृत कर्मचारी स्टोर रूम में थे। जिला मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रमोद शर्मा ने बताया कि होटल में अग्निशमन का कोई प्रबंध नही था। इसी कारण उसे 10 अक्टूबर को नोटिस दिया गया था। हाल ही में होटल में इस दिशा में काम शुरू हो गया था, किंतु आग लगने के समय होटल में आग बुझाने के कोई प्रबंध नही थे। उन्होंने बताया कि आग लगने के कारणों का पता किया जा रहा है।

दिनदहाड़े पुलिसकर्मी की पत्नी की हत्या

हल्द्वानी (आरएनएस)। मुखानी थाने के ठीक सामने कालिका कॉलोनी में रहने वाले एक पुलिस कर्मी की पत्नी की दिनदहाड़े हत्या कर दी गई। महिला के सिर पर बाईं तरफ गहरी चोट का निशान है। पुलिस को आशंका है कि महिला के सिर पर भारी हथियार से वार किया गया है या किसी चीज पर पटककर हत्या की गई है। दिन में करीब 11.30 बजे शहर के बीचों-बीच हुई हत्या की सूचना पुलिस को दोपहर बाद ढाई बजे मिली। प्रथम दृष्टया पुलिस का मानना है कि हत्या लूट के इरादे से की गई है। हालांकि पुलिस हर पहलू को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। अल्मोड़ा के चिनौली गांव निवासी शंकर सिंह बिष्ट पुत्र मोहन सिंह का परिवार मुखानी थाने के सामने कालिका कॉलोनी में रहता है। शंकर पुलिस में सिपाही हैं और यूएसनगर जिले की बन्नाखेड़ा चौकी में तैनात है।

शंकर बिष्ट की पत्नी ममता बिष्ट (40) दो बच्चों कपिल (17) और रिया (14) के साथ कालिका कॉलोनी स्थित नव निर्मित भवन में रहती थीं। गुरुवार को बच्चों के स्कूल जाने के बाद करीब 11 बजे ममता बाजार से लौटी थी। आखिरी बार उन्हें पास के ही एक दुकानदार ने देखा था। दोपहर करीब ढाई बजे बच्चे जब स्कूल से लौटे तो घर की अलमारी की तिजोरी टूटी हुई देखी। उन्होंने तत्काल इसकी जानकारी फोन से पिता शंकर को दी। पिता के कहने पर बेटे ने 112 से संपर्क किया, लेकिन कोई रिस्पॉस नहीं मिला। जिसके बाद बेटा कपिल स्वयं ही मुखानी थाने पहुंचा और घर में हुई वारदात की जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने छानबीन की तो किचन के एक कोने में ममता का शव पड़ा मिला। बच्चे बिलखने लगे और इसकी सूचना शंकर को दी गई। शंकर के घर पहुंचने के बाद शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

गुजरात में बजी चुनावी रणभेरी, 1 और 5 दिसंबर को वोटिंग- 8 को हिमाचल के साथ आएगा नतीजा

नई दिल्ली (आरएनएस)। गुजरात विधानसभा चुनाव की तारीखों का इंतजार अब खत्म हो गया है। चुनाव आयोग ने गुरुवार को गुजरात की चुनावी तारीखों का ऐलान कर दिया है। पहले राउंड का मतदान 1 दिसंबर को होगा और दूसरे चरण की वोटिंग 5 दिसंबर को होगी। इसके बाद 8 दिसंबर को चुनाव का नतीजा आएगा। बता दें कि इसी दिन हिमाचल प्रदेश के चुनावी नतीजों का भी ऐलान होना है, जहां 12 नवंबर को एक ही राउंड में वोटिंग होने वाली है।

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने आज यहां एक संवाददाता सम्मेलन में गुजरात में मतदान के कार्यक्रम की घोषणा की। उन्होंने बताया कि दक्षिण गुजरात, सौराष्ट्र और उत्तर गुजरात के कुछ भाग की कुल 89 सीटों पर मतदान एक दिसंबर को और मध्य गुजरात एवं उत्तर गुजरात की बाकी कुल 93 सीटों पर पांच दिसंबर को मतदान होगा। मतगणना आठ दिसंबर को होगी और मतदान की प्रक्रिया दस दिसंबर को पूरी होगी।

उल्लेखनीय है कि 12 नवंबर को होने वाले हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव की मतगणना भी आठ दिसंबर को करायी जाएगी। राजीव कुमार ने कहा कि प्रथम चरण के मतदान के लिए अधिसूचना पांच नवंबर को जारी होगी। नामांकन की अंतिम तिथि 14 नवंबर और नाम वापस लेने की तारीख 17 नवंबर होगी। मतपत्रों की जांच 15 नवंबर को होगी। दूसरे चरण के लिए अधिसूचना 10 नवंबर को जारी होगी। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 17 नवंबर और नाम वापस लेने की तारीख 21 नवंबर होगी। मतपत्रों की जांच 18 नवंबर को होगी।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि इस बार गुजरात विधानसभा चुनाव में तीन लाख 24 हजार 422 नए मतदाता पहली बार मतदान करेंगे। कुल मतदान केंद्रों की संख्या 51 हजार 782 है। राज्य में स्थापित मतदान स्थलों में से कम से कम 50 प्रतिशत मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग की व्यवस्था की गयी है। राज्य में कुल मतदाता 4.9 करोड़ हैं। राज्य में 142 आदर्श मतदान केन्द्र होंगे। 182 मतदान केन्द्र दिव्यांगों के लिए और 1274 मतदान केन्द्र महिलाओं के लिए बनाये जाएंगे।